राष्ट्रीय सेवा योजना, स्कूल ऑफ फार्मेसी

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर

प्रपत्र– 12 शिविरों उपरांत प्रपत्र

दिनांक	स्थान	किलो मीटर	वि.वि. से प्राप्त अनुदान	वास्तविक व्यय	सामान्य		अल्पसंख्यक		अनु.		अजजा		पि. वर्ग		शिक्षक		गैर शिक्षक		किया गया कार्य आंकड़ो में
					पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	

कार्य अधिकारी के हस्ताक्षर

प्रचार्य के हस्ताक्षर
Head, School of Pharmacy
D.A.V.V.,Indore

50 युवक-युवतियों ने शिविर में लिया भाग

स्कूल आफ फार्मेसी का बाईग्राम में 9 दिनी शिविर सम्पन्न

[illegible]

[illegible]

राष्ट्रीय सेवा योजना का 7 दिवसीय शिविर इंदौर जिला स्थित बाईग्राम पर

इंदौर। राष्ट्रीय सेवा योजना का 7 दिवसीय शिविर अंतर भारतीय विरादरी टेकरी मोहल्ला बाईग्रामपर आयोजित किया जा रहा है। जो कि स्कूल ऑफ फार्मेसी तक्षशिला परिसर खंडवा रोड इंदौर द्वारा किया जा रहा है जिसमें डा. गजानंद इंगले शिविर का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने वताया कि शिविर में 50 युवा छात्र एवं छात्राएं हिस्सा ले रही है।

7 दिवसीय शिविर के प्रतिदिन विभिन्न विषयों पर चर्चा होगी। जिसमें नुक्कड़ नाटक, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, पल्स पोलियो अभियान, रंगोली बनाना, पर्यावरण के साथ ही गांव की समस्याओं पर विचार कर उनके निराकरण हेतु ग्रामीणों का जागरुक करना शामिल है।

शिविर का उद्घाटन करते हुए गजानंद इंगले ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे मन में सब प्रकार की वसानाओं के बीच है और अच्छे विचार भी है हमें यह तय करना है कि अच्छे विचारों को सींचना है या बुरे विचारों को? अगर हम अच्छे विचारों को खाद-पानी देकर बड़ा करेंगे तो निश्चित ही हमारा मन अच्छे विचार से भरा होगा। इस कारण हम एक अच्छे नागरिक बन सकते है। साथ ही हम समाज को एक नई दिशा देकर उन्नत समाज की रचना कर सकते है। कार्यक्रम में प्रबंध न्यासी प्रताप सिंह डांगी, गीता शर्मा, मेहुल भाई भावनगर गुजरात, पुष्पा चौरसिया इन्दौन, खुशाल सिंह रतलाम, कर्पूर भाई रावल बड़ोदरा, मुकुंद तेली चंदी पुणे से स्थानीय अभिनव धानोरकर, सुभानी कुलकर्णी, जानकीलाल पटेरिया शिविर को संबोधित करेंगे।

दिन-01 (08.03.2022)

फार्मेसी अध्ययनशाला का एनएसएस शिविर 8-14 मार्च 2022 तक बैईग्राम, तहसील-महू, जिला-इंदौर में आयोजित किया गया था, यह शिविर 8 मार्च से शुरू हुआ था, पहले दिन सभी स्वयंसेवकों को सुबह 10.00 बजे विभाग में इकट्ठा किया गया था और शिविर के लिए आवश्यक सभी वस्तुओं की व्यवस्था की गई । तत्पश्चात सभी स्वयंसेवकों ने लक्ष्य गीत गाया और प्रो. डॉ. राजेश शर्मा विभागाध्यक्ष ने बधाई दी और स्वयंसेवकों को संबोधित किया। शिविर डॉ. गजानंद इंगला और डॉ. देवाशीष राठौर के मार्गदर्शन में और श्री नितेंद्र रंगारी के साथ सहायक स्टाफ के रूप में शुरू हुआ। स्वयंसेवक विभाग से सुबह करीब 11.45 बजे सेज यूनिवर्सिटी की बस से रवाना हुए और दोपहर करीब 1.15 बजे कैंप स्थल पर पहुंचे। सबसे पहले सभी स्वयंसेवकों ने विभाग से लाए गए सभी सामानों और टेंट हाउस से प्राप्त वस्तुओं की गिनती की। फिर दोपहर का भोजन किया। फिर सभी निवास, भोजन की तैयारी, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए स्थान, ध्वजारोहण पोल और रोल कॉल के लिए सभी आवश्यक व्यवस्था करने में जूट गए। शाम लगभग 5.00 बजे चाय ली और फिर सभी स्वयंसेवकों को 06 समूहों (अर्जुन, वासुदेव, अभिमन्यु, श्रीकर्ण, कान्हा और हिंद रक्षक) में विभाजित किया गया। 02 समूहों को रात के खाने की तैयारी, 02 समूहों को गांव में बैनर और बाकी 02 समूहों को बिजली और पानी से संबंधित कार्य सौंपे गए। सभी स्वयंसेवक शाम 7.30 बजे रात का खाना लेते हैं और फिर पहले दिन के सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए इकट्ठा होते हैं। सभी स्वयंसेवकों का औपचारिक परिचय हुआ और अगले दिन के लिए सभी समूह को कार्य सौंप दिया गया है, यह निर्णय लिया गया है कि शिविर का आधिकारिक उद्घाटन सरपंच महोदय और स्कूल प्राचार्य की उपस्थिति में पूर्वाह्न 11.30 बजे किया जाएगा. सभी स्वयंसेवक रात्रि 10.00 बजे सो जाते हैं।

दिन-02 (09.03.2022)

उठ जग मुसाफिर भोर भाई के साथ समूह अभिमन्यु द्वारा प्रभातफेरी निकली गई और सुबह 6.0 बजे सभी का जागरण करवा गया, सभी स्वयंसेवक सुबह 7.00 बजे रोल कॉल के लिए इकट्ठा हुए और लक्ष्य गीत गाया, समूह अर्जुन द्वारा तैयार शिविर समाचार पत्र प्रदर्शित किया गया और स्वयंसेवकों ने सुबह 7.50 बजे तक शारीरिक व्यायाम किया। नाश्ते के बाद

सभी स्वयंसेवक सुबह 8.30 बजे रोल कॉल पर फिर से इकट्ठा होते हैं और अपने - अपने काम के लिए जाते हैं, अंतर भारती बिरादरी परिसर की सफाई की जाती है और सभी क्षेत्र को सफेद रंग से चिह्नित किया जाता है। सभी प्रवेश द्वारों और बौद्धिक सत्र स्थान पर सुंदर रंगोली बनाई गई। एक अन्य दल गांव में सरपंच, स्कूल प्राचार्य, अस्पताल व आंगनबाड़ी में न्यौता देने गया था।

दोपहर करीब 12.00 बजे स्कूल शिक्षिका श्रीमती अंजलि तिवारी की उपस्थिति में शिविर का औपचारिक उद्घाटन किया गया। समूह अभिमन्यु ने दोपहर में स्वादिष्ट भोजन करवाया और फिर लगभग 2.30 बजे बौद्धिक सत्र शुरू हुआ और समूह चर्चा के विषय थे कि हम प्रौद्योगिकी पर बहुत अधिक निर्भर हैं। ऑनलाइन क्लास बनाम ऑफलाइन क्लास। दहेज प्रथा, समान नागरिक संहिता आदि।

सत्र 4.30 बजे बंद हुआ। फिर चाय का आनंद लिया। और फिर खेल सत्र के लिए शाम 5.00 बजे रोल कॉल पर इकट्ठा होते हैं, लड़कियों ने कबड्डी खेली, लड़कों ने वॉलीबॉल खेला और फिर लड़कों ने कबड्डी खेली और सभी ने रूमाल झपट्टा खेला। सभी दल नायको के साथ समीक्षा बैठक का आयोजना 6.30 बजे पे हुआ। 7.30 बजे पे सब ने डिनर किया और 8.30 से 9.30 तक सांस्कृतिक कार्यक्रम का लुत्फ लिया। अब कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गजानंद इंगला ने अगले दिन के लिए अलग-अलग समूहों को कार्य सौंपा। सभी स्वयंसेवक रात्रि 10.00 बजे सो जाते हैं।

दिन-03 (10.03.2022)

ग्रुप कान्हा ने सभी स्वयंसेवकों को मधुर गीत से जगाया। सभी स्वयंसेवकों ने सुबह 7.00 बजे रोल कॉल पर इकट्ठा होकर नौजवान आयो रे गाया। और दल श्रीकरण द्वार निर्मित शिविर दर्पण का विमचन किया गया। सभी ने सूर्य नमस्कार किया और नाश्ता किया। परियोजना कार्य के लिए इकट्ठा होते हैं और पूर्वाह्न 8.30 -11-30 तक स्वच्छता, टीकाकरण, स्वास्थ्य और स्वच्छता, रहने की स्थिति और विशेष रूप से सिकल सेल एनीमिया के संबंध में ग्राम सर्वेक्षण के लिए जाते हैं। अब श्रम शिखर का समय है, सभी स्वयंसेवकों ने अपना अनुभव साझा किया और भरपूर आनंद लिया।

सभी ने दल वासुदेव द्वारा परोसे गए दोपहर के भोजन का आनंद लिया। दल अर्जुन ने बौद्धिक सत्र की व्यवस्था की जिसमें श्री मेहुल भाई भावनगर गुजरात वक्ता थे, उन्होंने छात्रों को व्यावहारिक रूप से बहुत सी बातें समझाईं और विज्ञान के बारे में छात्रों में रुचि पैदा की। चाय के बाद सभी शाम 5.00 बजे खेल सत्र के लिए इकट्ठा होते हैं। और लड़कियों ने रस्साकशी खेली, लड़कों ने कबड्डी खेली और फिर सभी कितने भाई कितने खेले, गाँव के सभी बच्चों ने भी खेलों में भाग लिया। शाम 6.30 बजे सभी दलनायकों की बैठक हुई।

रात्रि भोजन 7.00-8.00 बजे तक लिया और सांस्कृतिक कार्यक्रम रात्रि 8.30-9.30 बजे तक संपन्न हुए। अगले दिन के लिए काम बांटने के बाद सभी रात 10.00 बजे सो जाते हैं।

दिन-04 (11.03.2022)

दल श्रीकर्ण ने उठ जग मुसाफिर और अन्य मीठे भजन और कव्वाली से सभी स्वयंसेवकों को जगाया। सभी सुबह 7.00 बजे रोल कॉल पर एकत्रित होते हैं और लक्ष्य गीत गाते हैं, दल अभिमन्यु द्वारा तैयार किए गए आज के शिविर समाचार पत्र का प्रदर्शन किया गया। आज का शारीरिक व्यायाम सत्र रद्द कर दिया गया क्योंकि हम 8.0 KM ट्रैकिंग के लिए जा रहे थे। ग्रुप अर्जुन नाश्ते में हेल्दी स्प्राउट और फ्राइड राइस परोसता है। और हम सुबह 8.00 बजे ट्रैकिंग के लिए तैयार थे, अब एक मनोरंजक साहसिक यात्रा शुरू की। हम तीन पर्वतों को पार करते हैं और अंततः चोरल-बाईग्राम-मेंडल क्षेत्र की सबसे ऊंची चोटी पर पहुंच जाते हैं। सभी स्वयंसेवकों ने अद्भुत अनुभव किया और चित्रों के रूप में और अधिक यादें लीं और नदी के किनारे वापस चले और हनुमान मंदिर महेंद्र गद्दी आश्रम गए और अंत में लगभग 1.00 बजे शिविर स्थल पर पहुंचे। सभी स्वयंसेवक श्रम शिखर के लिए एकत्रित होते हैं। फिर कुछ स्वयंसेवकों ने स्नान किया और कुछ ने भोजन समूह की मदद की और सभी ने दोपहर लगभग 1.30-2.30 बजे दोपहर का भोजन किया। बौद्धिक सत्र के लिए एकत्र हुए। आज के सत्र में एक्सटेम्पोर का आयोजन किया गया। चाय के बाद फिर से सभी खेल के लिए इकट्ठे होते हैं। वॉली बाल, बेडमिंटन और रूमाल झपट्टा खेला गया। समीक्षा बैठक शाम 7.00 बजे और रात्रि भोज 7.00-8.00 बजे हुआ। 8.30-9.30 बजे के बीच सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस बीच कुछ पुराने स्वयंसेवक शिविर में शामिल हुए, सभी का पुष्पांजलि और एनएसएस बैज लगाकर स्वागत किया गया। वरिष्ठ स्वयंसेवकों ने उन्हें शब्दों और गायन से बधाई दी और प्रेरित किया अगले दिन का काम बांटने के बाद सब सो गए।

दिन -05 (12.03.2022)

समूह अभिमन्यु सभी को मधुर भजन और मंत्र से जगाता है। सभी सुबह 7.00 बजे रोल कॉल पर इकट्ठे होते हैं। "नौजवान आवो रे" गाना गाया। तत्पश्चात समूह वासुदेव द्वारा तैयार शिविर समाचार पत्र का प्रदर्शन पुराने स्वयंसेवकों द्वारा किया गया। सभी ने डॉ. देवाशीष राठौर के मार्गदर्शन में शारीरिक व्यायाम और ध्यान किया। नाश्ते के बाद सभी श्री प्रताप सिंह डांगीजी और श्री मेहुल भाई के साथ रैली के लिए गांव जाते हैं और सभी उपयोगी नारे लगाते हैं। रैली नदी तक गई और सभी स्वयंसेवकों ने नदी के दृश्य का भी आनंद लिया। शिविर में लौटकर स्नान किया और दल हिंद रक्षक द्वारा परोसे गए और पुराने स्वयंसेवकों द्वारा विशेष रूप से तैयार किया गया स्वादिष्ट दोपहर का भोजन लिया। विभाग के डॉ. लव कुमार सोनी और डॉ. शिखा अग्रवाल प्रोफेसर शिवाजी राव कदम संस्थान इंदौर ने भी शिविर का दौरा किया और हमारे साथ दोपहर का भोजन किया। आज के बौद्धिक सत्र में वाद-विवाद का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि श्री अंकुर थे, सचिव सुश्री अश्विनी थीं और विशेष वक्ता श्री शाहदाब थे। और विषय थे भारतीय मीडिया की वर्तमान स्थिति, वर्तमान भारतीय शिक्षा प्रणाली और सरकारी संस्थानों का निजीकरण। तथ्यों के साथ बहुत ही रोचक बहस हुई और तीनों गणमान्य व्यक्तियों और मेहुल भाई ने भी निष्कर्ष में भाग लिया। डॉ. इंगला कार्यक्रम अधिकारी की समापन टिप्पणी के साथ सत्र का समापन हुआ। इस बीच बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारियों ने हमारे शिविर का दौरा किया और मास्क, सैनिटाइजर, हैंड वॉश साबुन आदि से युक्त किट का वितरण किया। खेल सत्र में शाम 5-6.30 बजे के बीच राम-रावण युद्ध, कितने भाई कितने, रुमाल झपट्टा और वॉली बाल खेला गया था। सभी स्वयंसेवकों ने पुराने स्वयंसेवकों के साथ बातचीत की

और न केवल एनएसएस बल्कि उनके करियर की जरूरतों के बारे में भी बहुत कुछ सीखा। गांव में अगले दिन की रैली के लिए नुक्कड़ नाटक तैयार किया गया।

आज 15 और पुराने स्वयंसेवक शिविर में शामिल हुए। और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सभी को एनएसएस बैज लगाकर सम्मानित किया गया। आज सांस्कृतिक कार्यक्रम कुछ अधिक समय के लिए चला, अगले दिन के लिए कार्य वितरण किया गया और सभी 10.30 बजे बिस्तर पर चले गए। यह निर्णय लिया गया कि हम सभी 5.45 बजे जागते हैं और 6.30 से हम प्रभातफेरी के साथ गाँव जाते हैं और हम विभिन्न बिंदुओं पर नुक्कड़ नाटक करेंगे। आज हम सभी वास्तव में अपने आप में महसूस करते हैं कि हमारी इकाई सबसे अच्छी इकाई क्यों है।

दिन -06 (13.03.2022)

समूह अर्जुन सुबह 5.45 बजे उठ जग मुशफिर के साथ अन्य भजन और कव्वाली के साथ हम सभी को जगाता है। हम सभी सुबह 6.30 बजे रोल कॉल पर इकट्ठा होते हैं और अब हम लगभग 70 स्वयंसेवकों ने उठ जग मुशफिर, हरे रामा हरे कृष्णन, अक्षुतम केशवम. राम नारायणम आदि के साथ गांव में प्रभात फेरी शुरू की और यह नदी के किनारे तक बनी रही। यहाँ नदी के तट पर एक बार हमने नुक्कड़ नाटक के लिए अभ्यास किया। सभी 06 अलग-अलग समूह अलग-अलग मुद्दों को तैयार करते हैं जैसे बेटी पढ़ाओ, सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता, मासिक धर्म स्वच्छता, नशा मुक्ति, मानव तस्करी, आदि। हमने गाँव में विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ नाटक किया और लगभग 10.30 बजे शिविर स्थल पर वापस आए, नाश्ता किया और फिर से परिसर की सफाई और सजावट शुरू की।

चूंकि आज हमारा दूसरा अंतिम दिन और रविवार है, इसलिए विभाग के साथ-साथ अन्य संस्थानों के अधिकांश अतिथि आज आएंगे। आज सबके सहयोग से स्पेशल लंच दाल-बाफला, लड्डू, रायता बना।

परिसर को सुंदर ढंग से सजाया गया और अब सभी ने स्नान किया, विभाग के अतिथि श्री विवेक बोबडेजी, जितेंद्र शर्माजी, मनीष शर्माजी और प्यारेलालजी दोपहर 1.30 बजे पहुंचे, सभी अतिथियो का स्वागत बुके और एनएसएस बैज द्वारा किया गया। इस बीच बौद्धिक सत्र भी उसी समय आयोजित किया गया।

लगभग 3.00 बजे सभी अतिथियों और स्वयंसेवकों ने दोपहर के भोजन का आनंद लिया। आज अंतर भारती बिरादरी की सुश्री गीताजी ने भी शिविर में आकर स्वयंसेवकों को प्रेरित किया। अधिकांश पुराने स्वयंसेवक भारी मन से शिविर छोड़ते हैं और कनिष्ठ स्वयंसेवक भी भारी महसूस करते हैं। मैं फिर से खेल सत्र के लिए सभी स्वयंसेवकों को फिर से इकट्ठा करता हूं और स्थिति को शांत करता हूं। हमने कबड्डी, रसकासी, वॉली बाल, राम-रावण और रूमाल झपट्टा खेला। इस दौरान विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ राजेश शर्मा शिविर में शामिल हुए, सर ने पूरे परिसर का दौरा किया और सभी गतिविधियों का अवलोकन किया और समीक्षा बैठक में भाग लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान रात 8 बजे सर ने स्वामी विवेकानंदजी के सामने दीप प्रज्जवलित किया। स्वयंसेवकों ने बुके और एनएसएस बैज के साथ सर का स्वागत किया, स्वयंसेवकों ने अपने- अपने अनुभव साझा किये, शर्मा सर ने स्वयंसेवकों को संबोधित किया और श्री प्रताप सिंह डांगीजी को मोमेंटो भेंट किया। स्वयंसेवी नैनी प्रसाद ने डांगीजी, मेहुल भाई, शर्मा सर, इंगला सर, राठौर सर, जितेंद्र रंगारी, प्यारेलालजी, नवीन पाठक, रामलाल भैया केयरटेकर, दोनों कुक दादीयो और रंजीत

भैया को धन्यवाद दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम रात्रि 9.0-10.0 बजे के बीच आयोजित किया गया। उसके बाद सभी स्वयंसेवकों ने कैम्प फायर के साथ हल्का भोजन किया और नृत्य, अंताक्षरी, कविता आदि का आनंद लिया और मध्यरात्रि 12.00 बजे सो गए।

दिन -07 (14.03.2022)

उठ जग मुशफिर और अन्य मधुर भजनों के साथ समूह वासुदेव सभी को जगाते हैं सभी सुबह 7.0 बजे रोल कॉल पर इकट्ठे होते हैं और नदिया न पिए कभी अपना जल गीत गाया। सभी ने हल्का शारीरिक व्यायाम किया और वस्तुओं के पुनर्व्यवस्था और संग्रह के लिए रोल कॉल पर फिर से इकट्ठा हुए। टेंट हाउस का सारा सामान, विभाग का सामान और अपना-अपना सामान लेकर गिनती की। अतिरिक्त सामान खोया पाया टेबल पर रखा। सफाई की और सभी सामग्री को व्यवस्थित किया गया, फिर ब्रंच लिया और अब विभाग में वापसी के लिए तैयार है। अब अंत में यादों को संजोने का समय आ गया है, ढेर सारी तस्वीरें ली और एक-दूसरे को शेयर की। हम दोपहर 12.15 बजे शिविर स्थल से रवाना हुए और दोपहर 1.30 बजे विभाग पहुंचे। समस्त सामग्री को एकत्रित कर उसके उचित स्थान पर रख दिया गया, सभी 06 शिविर समाचार पत्रों को विभाग के नोटिस बोर्ड में चस्पा कर दिया गया। फिर से इकट्ठे हुए और लक्ष्यगीत गाया और गीत नदिया न पिए कभी अपना जल गाया। सभी को राठौर सर और इंगला सर ने आशीर्वाद दिया, होली की शुभकामनाये दी और होली सेलिब्रेशन के साथ एक बहुत ही अच्छा कैंप पूरा हुआ।

जय हिन्द...

50 युवक-युवतियों ने शिविर में लिया भाग

स्कूल आफ फार्मेसी का बाईग्राम में 9 दिनी शिविर सम्पन्न

इन्दौर। श्री मेहुल लक्ष्मीनारायण हरसोला (अन्तर्राष्ट्रीय एक्सपर्ट) भावनगर गुजरात स्कूल आफ फार्मेसी डीएवीवी इन्दौर का विशेष शिविर 8 से 16 मार्च तक अन्तर भारती बिरादरी परिसर बाईग्राम में सम्पन्न हुआ। शिविर का मुख्य उद्देश्य स्वच्छ भारत, ग्रामीण स्वास्थ्य, मतदाता जागरूकता, साक्षरता, श्रम संस्कार पर आधारित रहा। नुक्कड़ नाटक, रैली, प्रभातफेरी, शारीरिक, बौद्धिक सामाजिक सांस्कृतिक गतिविधियां ट्रेकिंग कर प्राकृतिक जीवन का लुफ्त उठाया। शिविर प्रभारी डा. गजानंद इंगला कार्यक्रम अधिकारी रहे।

अन्तर्राष्ट्रीय एक्सपर्ट मेहुल लक्ष्मीनारायण हरसोला भावनगर ने विज्ञान के सिद्धांतों से परिचय कराया। सामाजिक जीवन जीना और स्वार्थ से परे उठकर राष्ट्र के प्रति समर्पित होना बताया है। हमारी सोच विज्ञानिक बने, समस्या का हल खुद ढूंढ नई-नई खोज स्वयं करें ऐसी नींव जीवन में रखने में हमें सफल होना सीखना है। मुख्य प्रबंधक अमरीश कुमार एवं प्रियंका सोनी ने युवाओं को शैक्षणिक उपकरण सभी सहभागियों को उपहार प्रदान किए। अनुभव के आधार पर बताया कि सामाजिक कार्यों को करने का इससे अच्छा माध्यम और कोई नहीं हो सकता है। लेखापाल फार्मेसी विवेक बोबड़े ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में जाकर शिक्षा का प्रचार एवं अन्य गतिविधियां करवाने हेतु गजानंद इंगला, देवाशीष राठौर एवं कर्मचारी नवीन पाठक का स्वागत करते हुए गौरवांवित महसूस कर रहा हूं।

फार्मेसी अध्ययन शाला के विभागाध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने स्वयं सेवकों के विचारों से यह विश्वास व्यक्त किया कि ये उद्देश्यों को निश्चित तौर पर हासिल कर पाएंगे। समाजसेवी एवं न्यास के प्रथम न्यासी प्रतापसिंह डांगी से चर्चा कर बेहद प्रसन्नता प्रकट की। उनके न्यास द्वारा समाज के समग्र विकास के लिए किये जा रहे प्रयास के लिए आभार एवं साधुवाद व्यक्त किया। संस्थान एवं 301 की और से मोमेंटो एवं भगवान श्री कृष्ण की सुन्दर फोटो भेंट की। मेहुल कुमार द्वारा किए जा रहे प्रयासों को सराहना की तथा सफलता के लिए बधाई भी दी। अन्तर भारती बिरादरी इन्दौर का विकास एवं सहयोग सदा बना रहे, ऐसी कामना के साथ आभार माना।

14 और 15 मार्च को कस्तूरबा रूरल इंस्टीट्यूट मो. महाविद्यालय में अध्ययनरत युवतियों को विभिन्न तरीकों से भौतिक शास्त्र, गणित व और ग्रामों का परीक्षण दिया गया। मेहुल भाई ने तरंगों की गति, प्रिज्म द्वारा इन्द्रधनुष, गणिक के सरल प्रयोगों, संख्याओं की जानकारी दी। महाविद्यालय एवं कन्या विद्या मंदिर की बालिकाओं का ध्यान प्रदान कर नाम पहुंचाया। प्राचार्य डा. रंजना सहगल, वरिष्ठ अध्यापिका लीला पंवार तथा गोविन्द कुमार नागौर सहभागीदार को एवं न्यास प्रयासों हेतु आभार माना। सचिव सूरज डामोर ने वरिष्ठ समाज सेवी प्रतापसिंह डांगी एवं मेहुल कुमार ने भविष्य में 10 दिवसीय युवा शिविर करवाने का भी आश्वासन दिया।

शिविर के अंतिम दिन 16 मार्च को डा. सुहासिनी पांसे एवं प्राचार्य के. चड्ढा एवं सचिव सौरभ गुप्ता के अनुरोध पर विसर्जन आश्रम स्थित जीवन शाला के बच्चों के लिए मेहुल भाई हरसोला ने खेल-खेल में विज्ञान, गणित, सामान्य ज्ञान बच्चों से ही प्रयोग करवाए। सीखने व सिखाने का उनका यह अन्दाज अति सराहनीय है, इसका सिलसिला लगातार चलता रहे यह कामना अ.भा. बिरादरी के न्यासी सुश्री गीता शर्मा एवं राजेन्द्र जैन ने किया। सप्ताहभर चले प्रयास की सफलता का श्रेय स्कूल आफ फार्मेसी, कस्तूरबा रूरल इंस्टीट्यूट एवं जीवन शाला विद्यालय के उत्तम सोच वाले व्यक्तियों एवं विद्यार्थियों व एनएसएस के स्वयंसेवकों सहभागियों का रहा। ऐसा प्रतापसिंह डांगी ने बताया। आभार प्रतापसिंह डांगी ने माना।

राष्ट्रीय सेवा योजना का 7 दिवसीय शिविर इंदौर जिला स्थित बाईग्राम पर

इंदौर। राष्ट्रीय सेवा योजना का 7 दिवसीय शिविर अंतर भारतीय बिरादरी टेकरी मोहल्ला बाईग्रामपर आयोजित किया जा रहा है। जो कि स्कूल ऑफ फार्मेसी तक्षशिला परिसर खंडवा रोड इंदौर द्वारा किया जा रहा है जिसमें डा. गजानंद इंगले शिविर का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि शिविर में 50 युवा छात्र एवं छात्राएं हिस्सा ले रही है।

7 दिवसीय शिविर के प्रतिदिन विभिनन विषयों पर चर्चा होगी। जिसमें नुकड़ नाटक, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं, पल्स पोलियो अभियान, रंगोली बनाना, पर्यावरण के साथ ही गांव की समस्याओं पर विचार कर उनके निराकरण हेतु ग्रामीणों का जागरुक करना शामिल है।

शिविर का उद्घाटन करते हुए गजानंद इंगले ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे मन में सब प्रकार की वसानाओं के बीच है और अच्छे विचार भी है हमें यह तय करना है कि अच्छे विचारों की सींचना है या बुरे विचारों को? अगर हम अच्छे विचारों को खा-पानी देकर बढ़ा करेंगे तो निश्चित ही हमारा मन अच्छे विचार से भरा होगा। इस कारण हम एक अच्छे नागरिक बन सकते है। साथ ही हम समाज को एक नई दिशा देकर उन्नत समाज की रचना कर सकते हैं। कार्यक्रम में प्रबंध न्यासी प्रताप सिंह डांगी, गीता शर्मा, मेहुल भाई भावनगर गुजरात, पुष्पा चौरसिया उज्जैन, खुशल सिंह रतलाम, हर्षद भाई रावल बड़ोदरा, मुकुंद तेली चेरी पुणे से स्थानीय अभिनव धानोड़कर, सुभानी कुलकर्णी, जानकीलाल पटेरिया शिविर को संबोधित करेंगे।

दिन -01 (08.03.2022)

फार्मेसी अध्ययनशाला का एनएसएस शिविर 8-14 मार्च 2022 तक बैईग्राम, तहसील-महू, जिला-इंदौर में आयोजित किया गया था, यह शिविर 8 मार्च से शुरू हुआ था, पहले दिन सभी स्वयंसेवकों को सुबह 10.00 बजे विभाग में इकट्ठा किया गया था और शिविर के लिए आवश्यक सभी वस्तुओं की व्यवस्था की गई । तत्पश्चात सभी स्वयंसेवकों ने लक्ष्य गीत गाया और प्रो. डॉ. राजेश शर्मा विभागाध्यक्ष ने बधाई दी और स्वयंसेवकों को संबोधित किया। शिविर डॉ. गजानंद इंगला और डॉ. देवाशीष राठौर के मार्गदर्शन में और श्री जितेंद्र रंगारी के साथ सहायक स्टाफ के रूप में शुरू हुआ। स्वयंसेवक विभाग से सुबह करीब 11.45 बजे सेज यूनिवर्सिटी की बस से रवाना हुए और दोपहर करीब 1.15 बजे कैंप स्थल पर पहुंचे। सबसे पहले सभी स्वयंसेवकों ने विभाग से लाए गए सभी सामानों और टेंट हाउस से प्राप्त वस्तुओं की गिनती की। फिर दोपहर का भोजन किया। फिर सभी निवास, भोजन की तैयारी, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए स्थान, ध्वजारोहण पोल और रोल कॉल के लिए सभी आवश्यक व्यवस्था करने में जूट गए। शाम लगभग 5.00 बजे चाय ली और फिर सभी स्वयंसेवकों को 06 समूहों (अर्जुन, वासुदेव, अभिमन्यु, श्रीकर्ण, कान्हा और हिंद रक्षक) में विभाजित किया गया। 02 समूहों को रात के खाने की तैयारी, 02 समूहों को गांव में बैनर और बाकी 02 समूहों को बिजली और पानी से संबंधित कार्य सौंपे गए। सभी स्वयंसेवक शाम 7.30 बजे रात का खाना लेते हैं और फिर पहले दिन के सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए इकट्ठा होते हैं। सभी स्वयंसेवकों का औपचारिक परिचय हुआ और अगले दिन के लिए सभी समूह को कार्य सौंप दिया गया है, यह निर्णय लिया गया है कि शिविर का आधिकारिक उद्घाटन सरपंच महोदय और स्कूल प्राचार्य की उपस्थिति में पूर्वाह्न 11.30 बजे किया जाएगा. सभी स्वयंसेवक रात्रि 10.00 बजे सो जाते हैं।

दिन -02 (09.03.2022)

उठ जग मुसाफिर भोर भाई के साथ समूह अभिमन्यु द्वारा प्रभातफेरी निकली गई और सुबह 6.0 बजे सभी का जागरण करवा गया, सभी स्वयंसेवक सुबह 7.00 बजे रोल कॉल के लिए इकट्ठा हुए और लक्ष्य गीत गाया, समूह अर्जुन द्वारा तैयार शिविर समाचार पत्र प्रदर्शित किया गया और स्वयंसेवकों ने सुबह 7.50 बजे तक शारीरिक व्यायाम किया। नाश्ते के बाद

सभी स्वयंसेवक सुबह 8.30 बजे रोल कॉल पर फिर से इकट्ठा होते हैं और अपने - अपने काम के लिए जाते हैं, अंतर भारती बिरादरी परिसर की सफाई की जाती है और सभी क्षेत्र को सफेद रंग से चिह्नित किया जाता है। सभी प्रवेश द्वारों और बौद्धिक सत्र स्थान पर सुंदर रंगोली बनाई गई। एक अन्य दल गांव में सरपंच, स्कूल प्राचार्य, अस्पताल व आंगनबाड़ी में न्यौता देने गया था।

दोपहर करीब 12.00 बजे स्कूल शिक्षिका श्रीमती अंजलि तिवारी की उपस्थिति में शिविर का औपचारिक उद्घाटन किया गया। समूह अभिमन्यु ने दोपहर में स्वादिष्ट भोजन करवाया और फिर लगभग 2.30 बजे बौद्धिक सत्र शुरू हुआ और समूह चर्चा के विषय थे कि हम प्रौद्योगिकी पर बहुत अधिक निर्भर हैं। ऑनलाइन क्लास बनाम ऑफलाइन क्लास। दहेज प्रथा, समान नागरिक संहिता आदि।

सत्र 4.30 बजे बंद हुआ। फिर चाय का आनंद लिया। और फिर खेल सत्र के लिए शाम 5.00 बजे रोल कॉल पर इकट्ठा होते हैं, लड़कियों ने कबड्डी खेली, लड़कों ने वॉलीबॉल खेला और फिर लड़कों ने कबड्डी खेली और सभी ने रूमाल झपट्टा खेला। सभी दल नायको के साथ समीक्षा बैठक का आयोजना 6.30 बजे पे हुआ। 7.30 बजे पे सब ने डिनर किया और 8.30 से 9.30 तक सांस्कृतिक कार्यक्रम का लुत्फ लिया। अब कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गजानंद इंगला ने अगले दिन के लिए अलग-अलग समूहों को कार्य सौंपा। सभी स्वयंसेवक रात्रि 10.00 बजे सो जाते हैं।

दिन -03 (10.03.2022)

ग्रुप कान्हा ने सभी स्वयंसेवकों को मधुर गीत से जगाया। सभी स्वयंसेवकों ने सुबह 7.00 बजे रोल कॉल पर इकट्ठा होकर नौजवान आयो रे गाया। और दल श्रीकरण द्वार निर्मित शिविर दर्पण का विमचन किया गया। सभी ने सूर्य नमस्कार किया और नाश्ता किया। परियोजना कार्य के लिए इकट्ठा होते हैं और पूर्वाह्न 8.30 -11-30 तक स्वच्छता, टीकाकरण, स्वास्थ्य और स्वच्छता, रहने की स्थिति और विशेष रूप से सिकल सेल एनीमिया के संबंध में ग्राम सर्वेक्षण के लिए जाते हैं। अब श्रम शिखर का समय है, सभी स्वयंसेवकों ने अपना अनुभव साझा किया और भरपूर आनंद लिया।

सभी ने दल वासुदेव द्वारा परोसे गए दोपहर के भोजन का आनंद लिया। दल अर्जुन ने बौद्धिक सत्र की व्यवस्था की जिसमें श्री मेहुल भाई भावनगर गुजरात वक्ता थे, उन्होंने छात्रों को व्यावहारिक रूप से बहुत सी बातें समझाईं और विज्ञान के बारे में छात्रों में रुचि पैदा की। चाय के बाद सभी शाम 5.00 बजे खेल सत्र के लिए इकट्ठा होते हैं। और लड़कियों ने रस्साकशी खेली, लड़कों ने कबड्डी खेली और फिर सभी कितने भाई कितने खेले, गाँव के सभी बच्चों ने भी खेलों में भाग लिया। शाम 6.30 बजे सभी दलनायकों की बैठक हुई।

रात्रि भोजन 7.00-8.00 बजे तक लिया और सांस्कृतिक कार्यक्रम रात्रि 8.30-9.30 बजे तक संपन्न हुए। अगले दिन के लिए काम बांटने के बाद सभी रात 10.00 बजे सो जाते हैं।

दिन -04 (11.03.2022)

दल श्रीकर्ण ने उठ जग मुसाफिर और अन्य मीठे भजन और कव्वाली से सभी स्वयंसेवकों को जगाया। सभी सुबह 7.00 बजे रोल कॉल पर एकत्रित होते हैं और लक्ष्य गीत गाते हैं, दल अभिमन्यु द्वारा तैयार किए गए आज के शिविर समाचार पत्र का प्रदर्शन किया गया। आज का शारीरिक व्यायाम सत्र रद्द कर दिया गया क्योंकि हम 8.0 KM ट्रैकिंग के लिए जा रहे थे। ग्रुप अर्जुन नाश्ते में हेल्दी स्प्राउट और फ्राइड राइस परोसता है। और हम सुबह 8.00 बजे ट्रैकिंग के लिए तैयार थे, अब एक मनोरंजक साहसिक यात्रा शुरू की। हम तीन पर्वतों को पार करते हैं और अंततः चोरल-बाईग्राम-मेंडल क्षेत्र की सबसे ऊंची चोटी पर पहुंच जाते हैं। सभी स्वयंसेवकों ने अद्भुत अनुभव किया और चित्रों के रूप में और अधिक यादें लीं और नदी के किनारे वापस चले और हनुमान मंदिर महेंद्र गद्दी आश्रम गए और अंत में लगभग 1.00 बजे शिविर स्थल पर पहुंचे। सभी स्वयंसेवक श्रम शिखर के लिए एकत्रित होते हैं। फिर कुछ स्वयंसेवकों ने स्नान किया और कुछ ने भोजन समूह की मदद की और सभी ने दोपहर लगभग 1.30-2.30 बजे दोपहर का भोजन किया। बौद्धिक सत्र के लिए एकत्र हुए। आज के सत्र में एक्सटेम्पोर का आयोजन किया गया। चाय के बाद फिर से सभी खेल के लिए इकट्ठे होते हैं। वॉली बाल, बेडमिंटन और रूमाल झपट्टा खेला गया। समीक्षा बैठक शाम 7.00 बजे और रात्रि भोज 7.00-8.00 बजे हुआ। 8.30-9.30 बजे के बीच सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस बीच कुछ पुराने स्वयंसेवक शिविर में शामिल हुए, सभी का पुष्पांजलि और एनएसएस बैज लगाकर स्वागत किया गया। वरिष्ठ स्वयंसेवकों ने उन्हें शब्दों और गायन से बधाई दी और प्रेरित किया अगले दिन का काम बांटने के बाद सब सो गए।

दिन -05 (12.03.2022)

समूह अभिमन्यु सभी को मधुर भजन और मंत्र से जगाता है। सभी सुबह 7.00 बजे रोल कॉल पर इकट्ठे होते हैं। "नौजवान आवो रे" गाना गाया। तत्पश्चात समूह वासुदेव द्वारा तैयार शिविर समाचार पत्र का प्रदर्शन पुराने स्वयंसेवकों द्वारा किया गया। सभी ने डॉ. देवाशीष राठौर के मार्गदर्शन में शारीरिक व्यायाम और ध्यान किया। नाश्ते के बाद सभी श्री प्रताप सिंह डांगीजी और श्री मेहुल भाई के साथ रैली के लिए गांव जाते हैं और सभी उपयोगी नारे लगाते हैं। रैली नदी तक गई और सभी स्वयंसेवकों ने नदी के दृश्य का भी आनंद लिया। शिविर में लौटकर स्नान किया और दल हिंद रक्षक द्वारा परोसे गए और पुराने स्वयंसेवकों द्वारा विशेष रूप से तैयार किया गया स्वादिष्ट दोपहर का भोजन लिया। विभाग के डॉ. लव कुमार सोनी और डॉ. शिखा अग्रवाल प्रोफेसर शिवाजी राव कदम संस्थान इंदौर ने भी शिविर का दौरा किया और हमारे साथ दोपहर का भोजन किया। आज के बौद्धिक सत्र में वाद-विवाद का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि श्री अंकुर थे, सचिव सुश्री अश्विनी थीं और विशेष वक्ता श्री शाहदाब थे। और विषय थे भारतीय मीडिया की वर्तमान स्थिति, वर्तमान भारतीय शिक्षा प्रणाली और सरकारी संस्थानों का निजीकरण। तथ्यों के साथ बहुत ही रोचक बहस हुई और तीनों गणमान्य व्यक्तियों और मेहुल भाई ने भी निष्कर्ष में भाग लिया। डॉ. इंगला कार्यक्रम अधिकारी की समापन टिप्पणी के साथ सत्र का समापन हुआ। इस बीच बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारियों ने हमारे शिविर का दौरा किया और मास्क, सैनिटाइजर, हैंड वॉश साबुन आदि से युक्त किट का वितरण किया।

खेल सत्र में शाम 5-6.30 बजे के बीच राम-रावण युद्ध, कितने भाई कितने, रुमाल झपट्टा और वॉली बाल खेला गया था। सभी स्वयंसेवकों ने पुराने स्वयंसेवकों के साथ बातचीत की

और न केवल एनएसएस बल्कि उनके करियर की जरूरतों के बारे में भी बहुत कुछ सीखा। गांव में अगले दिन की रैली के लिए नुक्कड़ नाटक तैयार किया गया।

आज 15 और पुराने स्वयंसेवक शिविर में शामिल हुए। और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सभी को एनएसएस बैज लगाकर सम्मानित किया गया। आज सांस्कृतिक कार्यक्रम कुछ अधिक समय के लिए चला, अगले दिन के लिए कार्य वितरण किया गया और सभी 10.30 बजे बिस्तर पर चले गए। यह निर्णय लिया गया कि हम सभी 5.45 बजे जागते हैं और 6.30 से हम प्रभातफेरी के साथ गाँव जाते हैं और हम विभिन्न बिंदुओं पर नुक्कड़ नाटक करेंगे। आज हम सभी वास्तव में अपने आप में महसूस करते हैं कि हमारी इकाई सबसे अच्छी इकाई क्यों है।

दिन -06 (13.03.2022)

समूह अर्जुन सुबह 5.45 बजे उठ जग मुशफिर के साथ अन्य भजन और कव्वाली के साथ हम सभी को जगाता है। हम सभी सुबह 6.30 बजे रोल कॉल पर इकट्ठा होते हैं और अब हम लगभग 70 स्वयंसेवकों ने उठ जग मुशफिर, हरे रामा हरे कृष्णन, अक्षुतम केशवम राम नारायणम आदि के साथ गांव में प्रभात फेरी शुरू की और यह नदी के किनारे तक बनी रही। यहाँ नदी के तट पर एक बार हमने नुक्कड़ नाटक के लिए अभ्यास किया। सभी 06 अलग-अलग समूह अलग-अलग मुद्दों को तैयार करते हैं जैसे बेटी पढ़ाओ, सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता, मासिक धर्म स्वच्छता, नशा मुक्ति, मानव तस्करी, आदि। हमने गाँव में विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ नाटक किया और लगभग 10.30 बजे शिविर स्थल पर वापस आए, नाश्ता किया और फिर से परिसर की सफाई और सजावट शुरू की।

चूंकि आज हमारा दूसरा अंतिम दिन और रविवार है, इसलिए विभाग के साथ-साथ अन्य संस्थानों के अधिकांश अतिथि आज आएंगे। आज सबके सहयोग से स्पेशल लंच दाल-बाफला, लड्डू, रायता बना।

परिसर को सुंदर ढंग से सजाया गया और अब सभी ने स्नान किया, विभाग के अतिथि श्री विवेक बोबडेजी, जितेंद्र शर्माजी, मनीष शर्माजी और प्यारेलालजी दोपहर 1.30 बजे पहुंचे, सभी अतिथियो का स्वागत बुके और एनएसएस बैज द्वारा किया गया। इस बीच बौद्धिक सत्र भी उसी समय आयोजित किया गया।

लगभग 3.00 बजे सभी अतिथियों और स्वयंसेवकों ने दोपहर के भोजन का आनंद लिया। आज अंतर भारती बिरादरी की सुश्री गीताजी ने भी शिविर में आकर स्वयंसेवकों को प्रेरित किया। अधिकांश पुराने स्वयंसेवक भारी मन से शिविर छोड़ते हैं और कनिष्ठ स्वयंसेवक भी भारी महसूस करते हैं। मैं फिर से खेल सत्र के लिए सभी स्वयंसेवकों को फिर से इकट्ठा करता हूं और स्थिति को शांत करता हूं। हमने कबड्डी, रसकासी, वॉली बाल, राम-रावण और रूमाल झपट्टा खेला। इस दौरान विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ राजेश शर्मा शिविर में शामिल हुए, सर ने पूरे परिसर का दौरा किया और सभी गतिविधियों का अवलोकन किया और समीक्षा बैठक में भाग लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान रात 8 बजे सर ने स्वामी विवेकानंदजी के सामने दीप प्रज्जवलित किया। स्वयंसेवकों ने बुके और एनएसएस बैज के साथ सर का स्वागत किया, स्वयंसेवकों ने अपने- अपने अनुभव साझा किये, शर्मा सर ने स्वयंसेवकों को संबोधित किया और श्री प्रताप सिंह डांगीजी को मोमेंटो भेंट किया। स्वयंसेवी नैनी प्रसाद ने डांगीजी, मेहुल भाई, शर्मा सर, इंगला सर, राठौर सर, जितेंद्र रंगारी, प्यारेलालजी, नवीन पाठक, रामलाल भैया केयरटेकर, दोनों कुक दादीयो और रंजीत

भैया को धन्यवाद दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम रात्रि 9.0-10.0 बजे के बीच आयोजित किया गया। उसके बाद सभी स्वयंसेवकों ने कैम्प फायर के साथ हल्का भोजन किया और नृत्य, अंताक्षरी, कविता आदि का आनंद लिया और मध्यरात्रि 12.00 बजे सो गए।

दिन -07 (14.03.2022)

उठ जग मुशफिर और अन्य मधुर भजनों के साथ समूह वासुदेव सभी को जगाते हैं सभी सुबह 7.0 बजे रोल कॉल पर इकट्ठे होते हैं और नदिया न पिए कभी अपना जल गीत गाया। सभी ने हल्का शारीरिक व्यायाम किया और वस्तुओं के पुनर्व्यवस्था और संग्रह के लिए रोल कॉल पर फिर से इकट्ठा हुए। टेंट हाउस का सारा सामान, विभाग का सामान और अपना-अपना सामान लेकर गिनती की। अतिरिक्त सामान खोया पाया टेबल पर रखा। सफाई की और सभी सामग्री को व्यवस्थित किया गया, फिर ब्रंच लिया और अब विभाग में वापसी के लिए तैयार है। अब अंत में यादों को संजोने का समय आ गया है, ढेर सारी तस्वीरें ली और एक-दूसरे को शेयर की। हम दोपहर 12.15 बजे शिविर स्थल से रवाना हुए और दोपहर 1.30 बजे विभाग पहुंचे। समस्त सामग्री को एकत्रित कर उसके उचित स्थान पर रख दिया गया, सभी 06 शिविर समाचार पत्रों को विभाग के नोटिस बोर्ड में चस्पा कर दिया गया। फिर से इकट्ठे हुए और लक्ष्यगीत गाया और गीत नदिया न पिए कभी अपना जल गाया। सभी को राठौर सर और इंगला सर ने आशीर्वाद दिया, होली की शुभकामनाये दी और होली सेलिब्रेशन के साथ एक बहुत ही अच्छा कैंप पूरा हुआ।

जय हिन्द...

राष्ट्रीय सेवा योजना
स्कुल ऑफ फार्मेसी,
दे.अ.वि.वि. इन्दौर (म.प्र.)

SAGE UNIVERSITY
INDORE
राष्ट्रीय सेवा योजना
सात दिवसीय विशेष शिविर
स्कुल ऑफ फार्मेसी, दे.अ.वि.वि. इन्दौर (म.प्र.)

Vishesh Jupiter Hospital
SAGE UNIVERSITY

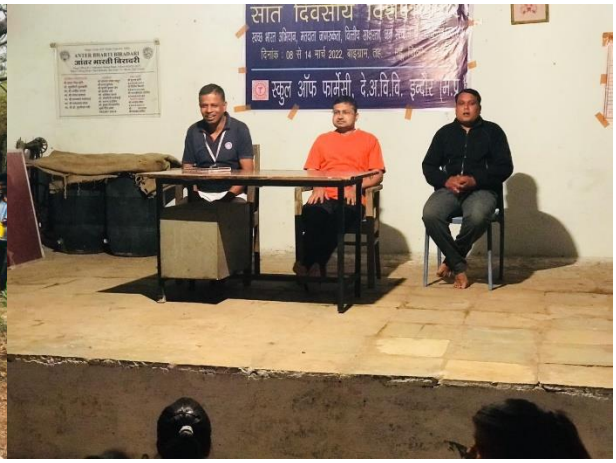
स्कूल ऑफ फार्मेसी, दे.अ.वि.वि. इन्दौर

✨Not Me But You✨

Together we can make the change💯🇮🇳